हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

13 ट्रांसफर पॉलिसी में ब्लॉक बदलने की शर्त ...

14 धुंध की मार, घटी दृश्यता वाहन चालक हुए लाचार...

खबर संक्षेप

सुई में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

भिवानी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार 23 दिसंबर को जिला प्रशासन द्वारा गांव सुई के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में दरबार लगाया जाएगा, जिसमें उपायुक्त साहिल गुप्ता नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में प्रवर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार भी मौजूद रहेंगे। डीसी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों को 23 दिसंबर को सांय पांच बजे तक पंजीकृत करवाना सुनिश्चित करें।

रबी फसलों का बीमा अवश्य कराएं किसान

चरखी दादरी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रबी 2025-26 के लिए फसलों का बीमा 1 दिसंबर से प्रारंभ हो चुका है और बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। उपायुक्त मुनीश नागपाल ने जिला के किसानों का आह्वान किया कि वे इस बीमा योजना का लाभ उठाते हुए अपनी फसलों का बीमा अवश्य करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जिले में योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए बीमा कंपनी को अधिकृत किया गया है।

आईटीआई भिवानी में रोजगार मेला कल

भिवानी। राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रांगण में 24 दिसंबर को प्रातः 9 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमे इलेक्ट्रीशियन, फिटर, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, मशीनिस्ट, मैकेनिक मोटर व्हीकल, मैकेनिक ट्रैक्टर, टेक्नीशियन पावर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, टर्नर, वायरमैन, फाउंड्रीमैन, शीट मेटल वर्कर व्यवसायों के आईटीआई पास शुदा छात्र इस कैंपस प्लेसमेंट में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। प्राचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि मेले में एलकॉन बशु वायरिंग सिस्टम खुशखेरा भिवाड़ी अलवर राजस्थान, टेनको ऑटोमेटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सेक्टर 3 बावल रेवाड़ी, दूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड मानेसर गुरुग्राम भाग लेंगी ।

हांसी को जिला बनाने की घोषणा पश्चात अधिसूचना जारी

बवानीखेड़ा के भिवानी में कायम रहने पर लोगों ने जताई खुशी

हरिभूमि न्यूज बवानीखेड़ा

हांसी जिले बनने की घोषणा पश्चात बवानीखेड़ा के भिवानी या हांसी में जाने की अटकलों पर विराम लग गया है। राजस्व तथा आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी। इसके अनुसार हिसार जिले की सीमाओं को परिवर्तित करते हुए उसके उपमंडलों की संख्या को बदलते हुए हांसी जिले में हांसी तथा नारनौंद उपमंडल शामिल होंगे। इसी को लेकर लोगों ने अपने विचार साझा किए।

हांसी जिले में हांसी तथा नारनौंद उपमंडल शामिल होंगे

फैसला जनता के हित में:जगदम्बा

भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदंबा महता ने बताया कि भाजपा सरकार ने जो वादे किए या तो पूरे हो चुके हैं या पूरे किए जा रहे हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हांसी को जिला बनाने की घोषणा की थी और पुलिस जिला बनाया गया था बीते दिनों मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हांसी को जिला घोषित कर दिया है जिससे हांसी के विकास में और चार-चांद लगेगें। शहर की जनता की चाह थी की उसे भिवानी में ही रखा जाए और वह चाह भी पूरी हो गई है।

भिवानी से पुराना नाता : मनीष

भाजपा नेता एवं सामाजिक संस्था से जुड़े मनीष शंकर ने बताया कि भिवानी से पुराना नाता रहा है और हांसी जिला भी उनसे अछूता नहीं है लेकिन अधिकतर कारोबार भिवानी से जुड़ा है और प्रदेश सरकार ने भी अभी बवानी खेड़ा के साथ कोई जबरदस्ती नहीं की है। जैसा लोग चाहेंगे सरकार भी वैसा ही करेगी। सरकार जनता हितैषी है और जनता के हित में कार्य कर रही है जिसके कारण प्रदेश में तीसरी पारी भाजपा सरकार की चल रही है।

लोगों का मन मोहा: हनुमान

समाजसेवी एवं वरिष्ठ नागरिक हनुमान पाराशर ने बताया कि शहर की जनता का मन भिवानी जिले के साथ जुड़े रहने का था और सरकार ने भी उनका मान रखकर जनता का दिल जितने का काम किया है। वहीं उन्होंने बताया कि यहां के उपमंडल की मांग को भी पूरा कर दिया जाए तो उनकी पीढ़ियां भी सरकार का एहसान मानेंगी। क्योंकि छोटे-छोटे कार्यों के लिए दूर जाना पड़ता है।

सब काम होंगे पूरे: राकेश

विधायक कपूर वाल्मीकि के छोटे भाई राकेश वाल्मीकि ने बताया कि सरकार ने बाइपास हाइवे बनाए हैं ऐसा प्रतीत होता है मानों चंडीगढ़ में पहुंच गए हों। हांसी जिला बनाया गया है जो सरकार की अच्छी सोच है। बवानी खेड़ा भिवानी से ही जुड़ा रहेगा, जल्द ही बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा भी मिलेगा लेकिन लोगों को संयम बरतना होगा। वहीं उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरने का कार्य कर रही है।

सीपीआईएम व सीपीआई ने शहर में किया विरोध प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

केंद्र सरकार का फैसला मजदूरों के पेट पर लात मारने जैसा कदम: कामरेड ओमप्रकाश

■ मनरेगा कानून गांरटी से बदलकर योजना बनाने के विरोध में जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शहर में विरोध प्रदर्शन करते और ज्ञापन सौंपते सीपीआईएम व सीपीआई के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

वामपंथी पार्टियों के आह्वान पर सीपीआईएम व सीपीआई ने संयुक्त रूप से केंद्र सरकार के मनरेगा राष्ट्रीय रोजगार गांरटी कानून को बदलकर विकसित भारत जी रामजी के नाम से रोजगार योजना में बदलने का विरोध किया।

संगठनों ने योजना के विरोध में भिवानी में प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को इसे रद करवाकर पहले की रोजगार गांरटी कानून को बहाल करने की मांग की। उपायुक्त की तरफ से समाज कल्याण अधिकारी राजकुमार ज्ञापन लेने पहुंचे। ज्ञापन देने से पहले दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता पूर्वमंत्री ठाकुर बीरसिंह पार्क में इकठ्ठे हुए और सभा की। सभा की अध्यक्षता माकपा की तरफ से सुखदेव पालुवास व भाकपा की तरफ से कामरेड फूलसिंह इंदौरा ने की। मंच संचालन माकपा जिला सचिव मण्डल सदस्य कामरेड अनिल कुमार ने किया।

माकपा जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश व भाकपा जिला सचिव फूलसिंह इंदौरा व धर्मबीर बामला ने कहा कि राजग/भाजपा की केंद्र सरकार शुरू से ही इस प्रयास में थी कि मनरेगा कानून को खत्म किया जाए। प्रधानमंत्री का 28 फरवरी को संसद में संबोधन ये प्रमाणित करता है कि किस प्रकार वे मनरेगा को समाप्त करना चाहते है। वे सीधे तौर पर समाप्त करते तो मजदूरों का ज्यादा विरोध होता।

केन्द्र सरकार का बजट घटाया

सरकार ने चालाकी से इस गांरटी कानून को योजना में तब्दील कर दिया तथा केन्द्र सरकार का बजट 90 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत कर दिया तथा 40 प्रतिशत बजट की जिम्मेवारी राज्यों पर डाल दी, जबकि राज्यों के पास टैक्स वसूली का अधिकार ही नहीं छोड़ा। फसल कटाई बुआई सीजन में मनरेगा का काम नहीं लगेगा, ऐसा प्रावधान डाल दिया। मजदूरों को गुमराह करने के लिए 100 दिन की बजाय 125 दिन कर दिए, जबकि राष्ट्रीय औसत 50 दिन की आती है। 2004-5 में वामपंथी पार्टियों के लोकसभा में 62 सांसद चुनकर आए थे। उन्होंने सरकार से बाहर रहकर यूपीए सरकार पर दबाव डालकर सूचना अधिकार के साथ ये रोजगार गांरटी कानून बनवाया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान केन्द्र सरकार देश की आजादी के सर्वोच्च नेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम भी इस कानून में नहीं रखना चाहती।

पुराने कानून को बहाल करने की मांग

आजादी की विरासत को ये सत्ताधारी लोग पसंद नहीं करते, इसलिए आजादी नेताओं जवाहरलाल नेहरू व गांधी पर उल जलूल आरोप लगाते रहते है। वामपंथी नेताओं ने केन्द्र सरकार को आगाह किया कि पुराने कानून को बहाल नहीं किया तो देश में मजदूरों का केन्द्र सरकार के विरोध में सशक्त आंदोलन होगा।

ये रहे शामिल

प्रदर्शन में सीपीएम नेता करतार सिंह ग्रेवाल, रामफल देशवाल, राजेश कुंगड़, मास्टर वजीर सिंह, रतन कुमार जिंदल, सज्जन कुमार सिंगला, उपासना सिंह, बिमला घनघस, राममेहर सिंह, वेद प्रकाश खेड़ी, स्नेहलता, रतनपाल तिगड़ाना, महाबीर फौजी, प्रताप सिंह सिंहमार, नरेन्द्र धनाना, ओम प्रकाश दलाल, सीपीआई नेता अमित नांगल, रामजस, माकपा नेता निर्मल नाथूवास, सुबेसिंह, सुरज देवसर सहित कई साथ माजूद रहे।

बॉडीबिल्डर हत्या मामला : शादी समारोह में बारातियों के साथ कहासुनी के बाद की वारदात

रोहित हत्या मामले में पांचवां आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पुलिस हिरासत में बॉडी बिल्डर का हत्यारा। फोटो : हरिभूमि

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के अंतर्गत भिवानी पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने रोहित (बॉडीबिल्डर) हत्या मामले में फरार चल रहे पांचवें आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरोज निवासी हिमायूपुर, जिला रोहतक द्वारा थाना सदर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनका पुत्र रोहित 27 नवम्बर को अपने दोस्त जतिन पुत्र बलवान, निवासी बौंद कला, जिला चरखी दादरी के साथ एक शादी समारोह में गांव रेवाड़ी खेड़ा, जिला भिवानी में कन्यादान डालने गया था। रात्रि करीब 10:00 बजे बारात में आए कुछ व्यक्तियों द्वारा महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी किए जाने पर रोहित द्वारा विरोध किया गया, जिस पर कहासुनी व झगड़ा हो गया। इसके पश्चात जब रोहित अपने दोस्त जतिन के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर रात्रि करीब 11:00 बजे घर लौट रहे थे, तो रेवाड़ी खेड़ा से बामला रोड रेलवे फाटक के पास बारात में आए व्यक्तियों ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपियों ने रोहित के सिर व शरीर पर जान से मारने की नीयत से गंभीर चोटें पहुंचाईं। उपचार के दौरान रोहित की मृत्यु हो गई। उक्त निर्देशों की अनुपालना में सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उप निरीक्षक बलजीत के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए पांचवें आरोपी को तिगड़ाना से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान आकाश पुत्र अनिल कुमार निवासी तिगड़ाना जिला भिवानी के रूप में हुई है।

■ गांव रेवाड़ी खेड़ा, जिला भिवानी में कन्यादान डालने गया था रोहित

भिवानी में पैक्स कर्मचारियों का दो दिवसीय धरना शुरू

54 पर लटका ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी और दादरी जिलों में प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पैक्स कर्मचारी महासंघ हरियाणा के आह्वान पर सोमवार को भिवानी स्थित केंद्रीय सहकारी बैंक के सामने दो दिवसीय धरने की शुरुआत हुई। हड़ताल के कारण भिवानी व दादरी दोनों जिलों की कुल 54 पैक्स समितियां पूरी तरह बंद रही, जिससे ग्रामीण इलाकों में खाद वितरण और अन्य बैंकिंग सेवाएं ठप हो गई हैं।

धरने की अध्यक्षता कर रहे पैक्स कर्मचारी महासंघ के जिला प्रधान नरेश कुमार ने बताया कि कर्मचारी कई वर्षों से अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार और विभाग केवल आश्वासन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी मुख्य मांगों में 2018 में विभागीय कमेटी द्वारा वेतन विसंगतियों पर सौंपी गई रिपोर्ट को तत्काल लागू करने, कर्मचारियों को मेडिकल सुविधा और ग्रेच्युटी अधिनियम के तहत लाभ देने, सेवा नियमों में सुधार करने की मांग की है।

सागवानवासी पेयजल समस्या को लेकर एसडीओ से मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

■ 10 दिन में समस्या के समाधान आश्वासन दिया

सोमवार को सागवान के ग्रामीण पीने के पानी की समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ कार्यालय पहुंचे तथा पीने के पानी की समस्या से एसडीओ विक्रम पूनिया को अवगत करवाया। जिस पर एसडीओ विक्रम पूनिया ने उनकी शिकायत को सुनते हुए आगामी 10 दिन के अंदर ग्रामीणों की समस्या का समाधान करवाने का आश्वासन दिया।

गांव सागवान निवासी विजेंद्र, सेठपाल, सुमित्रा, सुदेश कौशल्या, करतार सिंह, स्वेच्छा, सीमा, सतबीर, जर्मन सोमवीर, सुनील, सीताराम, रणधीर सिंह आदि ने बताया कि उनके गांव सागवान में पीने के पानी की काफी समस्या है। पानी के टैंक में गंदा पानी भरा हुआ है जो पीने योग्य नहीं है, जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

समर गोपाल में होगा दो से संस्कार निर्माण शिविर

भिवानी। स्वधर्म शोध संस्थान के अध्यक्ष कर्मबीर तंवर ने गांव समर गोपालपुर में 2 जनवरी से 8 जनवरी तक होने वाले संस्कार निर्माण शिविर के लिए हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा भिवानी के प्रधान सहित पूरी सभा को निमंत्रित किया। कर्मबीर तंवर ने बताया की बालकों में संस्कारो का बीजारोपण करने के लिए ऐसे शिविरों का आयोजन आयुवान सिंह स्मृति संस्थान समय समय पर ऐसे आयोजन करता रहता है.हरियाणा क्षेत्र में पिछले करीब 15वर्षो से सर्दियों की छुटियो में और गर्मियों की छुटियों में निरंतर शिविरों के आयोजन करता आ रहा है। उनके साथ रहे सतेंदर राणा कैरू, मान सिंह परमार कलिंगा, वीरेंद्र जाटू लुहारी, वीरेंद्र परमार सांकरोड़, मुकेश तिगडाना, बृजपाल परमार, इन्दर तिगडाना, संजय तिगडाना.सभी ने शिविर में आने के लिए हामी भरी।

उपमंडल के बुजुर्गों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

■ निजी बसों में आधे की बजाय पूरा किराया वसूलने की शिकायत की, रोक की मांग

उपमंडल के बुजर्गों ने तोशाम से सतनाली वाया बाढ़ड़ा संचालित निजी बस सेवा में बुजर्गों से आधे की बजाय पूरा किराया वसूलने पर रोष जताया और एसडीएम को ज्ञापन देकर तत्काल प्रभाव से कदम उठाने की मांग की।

किसान सभा के पूर्व अध्यक्ष मास्टर रघुबीर श्योराण काकड़ौली की अगुवाई में क्षेत्र के दो दर्जन गांवों के बुजर्गों ने उपमंडल अधिकारी कार्यालय पहुंचकर एसडीएम आशीष सांगवान को ज्ञापन सौंपा। बुजुर्ग कर्णसिंह, सतबीर सिंह भांडवा, पूर्व थानेदार जोरासिंह, रणधीर उमरवास, जयबीर सिंह नांधा, पूर्व प्राचार्य हवासिंह हंसावास खुर्द, प्रताप सिंह, रणधीरसिंह किष्कंधा व राजकुमार हड़ौदी आदि ने बताया कि प्रदेश सरकार वृद्धों के आवागमन के लिए आधा किराया व सीट अनिवार्य करने का दावा करती है, लेकिन तोशाम से बाढ़ड़ा होकर सतनाली आवगमन करने वाली निजी बसों के परिचालक बुजुर्गो से पूरा किराया वसूलते हैं ।

53 साल बीते,बवानीखेड़ा के उपमंडल को लेकर हाथ रीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

खेल हरिभूमि न्यूज:बवानी खेड़ा

बवानी खेड़ा को आज के दिन साथ लगते दर्जनों गावों को लेकर तहसील का दर्जा दिया गया था, इसे सन- 1972 में तहसील बनाया गया था। उस वक्त वतर्मान भिवानी जिला व तहसील के गांव धनाना से लेकर नलोई किकराल तक के गावों को शामिल किया गया था ।

उस वक्त का नलोई किकराल आज सिवानी तहसील तथा हल्का लोहारु का गांव है जो हरियाणा का अंतिम छौर का गांव है उसके आगे राजस्थान पड़ता है। लेकिन देखते देखते राजनैताओं अपने नफे नुक्शान को देखते हुए गावों को भी तहसील तथा उपमण्डल का दर्जा दिलाने में कोई कसर ना छोड़ी पर तहसील बवानी खेड़ा भले ही अपना वजूद बचाये हुए लेकिन तहसील को आज तक किसी ने उपमण्डल नहीं बनाया गया। भले ही दर्जनों गांव उससे कट गये ले। वही साथ लगते तोशाम जैसे गांव तहसील तथा लोहारु उपमण्डल बन गये हो। हाल मे हरियाणा के देखते देखते जिला उपमण्डल व तहसील उप तहसील बना दी लेकिन बवानी खेड़ा को पूर्व मनोहर सरकार ने उपमण्डल का दर्जा देने की घोषित करके तहसील को उपमण्डल नहीं बनाया उसके साथ मानों सरकार ने मजाक किया हो। आज तहसील का स्थापना दिवस था जिस पर अनेक लोगों साथ लगते गावों से इक्कठा भी हुए किन्ही कारणों से स्थापना दिवस ना मनाया ।

उपमण्डल का दर्जा दें

हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिधू एडवोकेट व मोर्चा संरक्षक रामकिशन काजल ने बताया कि मोर्चा लम्बे समय से तहसील बवानी खेड़ा को उपमण्डल का दर्जा दिलाये जाने को लेकर संघर्ष कर रहा है सरकार ने उपमण्डल बनाने की घोषणा करके तहसील बवानी खेड़ा को उपमण्डल ना बनाया ये जनता के साथ सरसर गलत किया है। हमारी सरकार से मांग ही बवानी खेड़ा तहसील को उपमण्डल का दर्जा दे । **ये रहे मौजूद:** इस अवसर पर समाजसेवी रवि अग्रवाल , महेन्द्र नम्बरदार, सुभाष नम्बरदार, समाजसेवी संजयचौहान ,हरपाल ,बनवारी नायक तथा शिलोचना आदि उपस्थित थे

आस्था के कारण ये छोटी कांशी के नाम से भी विख्यात

53 साल का हुआ जिला, प्रदेश को तीन मुख्यमंत्री दिए

22 दिसंबर 1972 को हिसार जिले से अलग होकर बना था भिवानी जिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खेल के कारण पूरी दुनिया में मिनी क्यूबा व खेल नगरी से जानी जाने वाला भिवानी जिला 53 बरस का हो गया हैं। भिवानी जिला खेल के साथ साथ राजनीति का गढ़ भी माना जाता हैं, क्योंकि भिवानी जिला हरियाणा प्रदेश को चौधरी बंसीलाल, बनारसीदास गुप्ता व मास्टर हुकमसिंह के रुप में तीन तीन मुख्यमंत्री दे चुका हैं, जो प्रदेश का नेतृत्व कर विकास का ढांचा खींच चुके हैं। इसके साथ ही देश की राजधानी दिल्ली को भी अरविंद केजरीवाल के रुप में मुख्यमंत्री दे दिया, दिल्ली में अपनी राजनीति की अलग पहचान स्थापित की। इसके साथ ही धार्मिक क्षेत्र में लोगों की आस्था के कारण ये छोटी कांशी के नाम से भी विख्यात हैं। वहीं चौधरी बंसीलाल की भ्याणी, सेठ किशनलाल जालान आंखों के अस्पताल वाली भिवानी के नाम से भी पूरे देश में जाना जाता हैं।

अमिट इतिहास समेटे भिवानी ने अपनी स्थापना के 52 बरस पूरे कर लिए है और जिला 53वां जन्मदिवस मना रहा है। क्षेत्रफल की दृष्टि से ये हरियाणा का सबसे बड़ा जिला होता था, लेकिन सितंबर 2016 में चरखी दादरी को भिवानी से अलग कर नया जिला बनाया गया। भिवानी के उत्तर में हिसार, पूर्व में रोहतक, दक्षिण में महेंद्रगढ़, दक्षिण पूर्व में रेवाड़ी व पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में राजस्थान है। भिवानी के दक्षिणी इलाके थार रेगिस्तान हैं।

सुरक्षा के लिहाज से भिवानी शहर को 12 दरवाजों के बीच बसाया गया था। पंजाब से अलग होकर 1 नवंबर 1966 में हरियाणा अस्तित्व में आया तो उससे पहले ही भिवानी जिला बनाने की मांग उठने लगी थी, जो 22 दिसंबर 1972 को जिला बनाकर पूरी हुई। इसके साथ ही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का मुख्यालय भिवानी में स्थित है,जिसकारण प्रदेश के कोने कोने से छात्रों, अभिभावकों व शिक्षाविदों का आना जाना लगा रहता है।

तीन-तीन मुख्यमंत्री देने वाला जिला रहा भिवानी: भिवानी ने चौधरी बंसीलाल, बाबू बनारसी दास गुप्ता और मास्टर हुकम सिंह जैसे तीन-तीन मुख्यमंत्री हरियाणा प्रदेश दिए, जिन्होंने प्रदेश के विकास का खाका तैयार किया और उन्हें धरातल पर उतारा। चौधरी बंसीलाल केंद्र की राजनीति में भी अग्रणी रहे और रक्षामंत्री पद पर सुशोभीत रहे। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी भिवानी जिले की सिवानी तहसील के गांव खेड़ा से संबंध रखते हैं।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित haribhoomi.com

हरिभूमि

रोहतक, मंगलवार
23 दिसंबर 2025

क्रिसमस स्पेशल

सहेली

आज समाज, परिवार में प्रेम-करुणा के भाव लुप्त हो रहे हैं, लोग दुख-संताप का जीवन जी रहे हैं, ऐसे में प्रभु यीशु के संदेश बहुत मायने रखते हैं। उन्होंने सभी को एक-दूसरे से प्रेम करने का संदेश दिया ताकि समाज में मानवीय भाव बना रहे। क्रिसमस, यीशु के जन्मोत्सव और उनके दिव्य संदेशों को आत्मसात करने का ही पर्व है।

प्रभु ईसा मसीह का संदेश
बना रहे प्रेम-करुणा का भाव

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

सबका भला चाहने की सरोकारी सोच ही सच्ची संवेदनाओं को पोसती है। क्रिसमस का पर्व ईसा मसीह के ऐसे ही भावपूर्ण संदेशों की याद दिलाता है। यह त्योहार अपनों से लेकर आस-पड़ोस तक, हर जगह करुणा, प्रेम और सकारात्मक जीवन जीने की राह दिखाता है। बिखरते परिवारों और उलझाऊ होती सामाजिक जिंदगी के इस दौर में साथ, संवेदनाएं और सहानुभूति के इमोशंस हर जगह जरूरी हैं। इन भावनाओं का आधार ना केवल बेहतर ढंग से जीने की बुनियाद बनता है बल्कि जीवन की सार्थकता भी समझाता है। यही वजह है कि प्रभु यीशु के विचार, भाव और सुझाव सबके जीवन को सहज बनाने का मार्ग दिखाते हैं।

सेवा-सम्मान की सोच

हमारी सामाजिक-पारिवारिक व्यवस्था आपसी समझ और एक-दूजे की सेवा-सहायता के बिना नहीं चल सकती। ना ही सम्मानजनक परिवेश बनाए बिना स्थितियां सहज रह सकती हैं। ऐसे में प्रभु यीशु के विचार सदा प्रासंगिक हैं। खासकर सेवा और सम्मान का आधार बनाने वाला दया का भाव, उनकी दी हर सीख में शामिल है। करुणा का यह भाव ही इंसानों को सेवाभावी बनाता है। अपनों ही नहीं, परायों की भी पीड़ा समझने और उसे दूर करने में मदद करने की संवेदनाएं जगाता है। प्रभु यीशु का संदेश 'भला उस आदमी का क्या लाभ, यदि वह पूरी दुनिया पा जाए और अपनी आत्मा को खो दे।' सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खुद को सहेजते हुए आगे बढ़ना, स्वयं से जुड़कर दूसरों का साथ पाना और खुद की संभाल करते हुए सबका संबल बनना ही तो मानवीय सोच का सबसे सुंदर पहलू है। यही सोच परिवार से लेकर समाज तक, हर जगह सेवाभाव को बढ़ावा देती है। इसी विचार से अपने देश के नागरिकों के साथ अपनेपन भरे जुड़ाव को बल मिलता है। असल में देखा जाए तो सेवाभाव हमें प्रकृति के हर जीव से जोड़ता है। मदद का मानस हो तो हर इंसान छोटी-छोटी सहायता के रूप में कुछ ना कुछ करने की राह निकाल ही लेता है। दूसरों की सेवा करते हुए इंसान स्वयं अपने आप को भी संवार रहा होता है। सच्ची करुणा के साथ किया गया हर काम और बोला गया हर शब्द सहज रूप से हमारे मन-जीवन में भी सकारात्मकता को पोसता है। प्रभु यीशु ने भी सदा गरीब और कमजोर लोगों के लिए करुणा और सहायता का भाव रखा। हम सभी को ईसा मसीह की इस सीख को याद रखना चाहिए, जीवन में अपनाना चाहिए।

न्यायसंगत व्यवस्था का समर्थन

ईसा मसीह मानवीय मूल्यों को सहेजने के पक्षधर थे। उनकी शिक्षाओं में सभी के लिए न्यायसंगत व्यवस्था बनाने को अहमियत दी गई है। इसके लिए उन्होंने सभी को नैतिक रूप से सबल बनने की सीख दी। असल में नैतिक व्यवहार ही जिंदगी के हर मोर्चे पर न्याय की स्थापना कर सकता है। नैतिकता का भाव सिखाता है कि स्वार्थ साधने के बजाय दूसरों की तकलीफों को समझा जाए। हर हाल में किसी के लिए मदद का हाथ आगे बढ़ाया जाए। यीशु का यह भी कहना था कि 'जैसा व्यवहार तुम लोगों से चाहते हो वैसा व्यवहार उनसे करो।' यह विचार सचमुच महत्वपूर्ण है। किसी एक व्यक्ति का अच्छा व्यवहार किसी दूसरे इंसान के नकारात्मक व्यवहार को भी बदलने की ताकत रखता है। यही पॉजिटिविटी रिश्तों को भी साधने का काम करती है। इसीलिए स्वयं अपने बर्ताव के नेगेटिव रुख को समझना भी आवश्यक है। यीशु का यही कहना है कि यह सकारात्मक बदलाव खुद हमारी ओर से हो। यानी, जैसा व्यवहार हम औरों से चाहते हैं, वैसा ही व्यवहार हम खुद भी दूसरों के लिए अपनाएं।

आत्मीयता भरा जुड़ाव

प्रभु यीशु मन से इंसानी भावों को पोसने का संदेश देते हैं। जीवन को सरल बनाने वाले उनके विचार आज के समय में और जरूरी हो चले हैं। हर ओर दिखती स्वार्थपरक सोच और फरेब के खेल में निश्छलता कहीं खो गई है। अपनों के साथ भी जालसाजी की घटनाएं हो रही हैं। सगे-संबंधियों में भी आत्मीयता नहीं बची है। आस-पड़ोस का मेलजोल छीजता दिखता है। कहीं जान-बूझकर तो कहीं अनजाने में दूसरों को पीड़ा पहुंचाई जा रही है। जबकि ईसा मसीह का संदेश 'तुम्हें अपने पड़ोसी से भी स्वयं जैसा ही प्रेम करना चाहिए।' आज की बिखरती सामाजिक व्यवस्था में यह बहुत आवश्यक सूत्र सा लगता है। आस-पड़ोस के लोगों से प्रेम करना हमें एक-दूजे के सुख-दुःख में भागीदार बनाता है। साथ और सुरक्षा का भरोसा जगाता है। जाने-अनजाने कोई भूल हो जाने पर उसे सुधारने का भाव इस आपसी विश्वास को और पुख्ता बना सकता है। यीशु ने भी गलती हो जाने पर पश्चाताप करने का मार्ग सुझाया है। उनका कहना था 'जो गलत हुआ है, उसे स्वीकारें और फिर गलत से हमेशा के लिए दूर रहें।' यह स्वीकार्यता और सकारात्मक सोच ही हमारे मन में प्रेम भाव को कायम रख सकती है।

क्रिसमस के लिए होम डेकोर आइडियाज

अगर आप क्रिसमस पार्टी प्लान कर रही हैं तो जरूर चाहेंगी कि इस मौके पर आपके घर के डेकोरेशन में भी इस फेस्टिवल की फील आए। हम आपको कुछ ऐसे ईजी और यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिनसे आपका होम डेकोर हो जाएगा, क्रिसमस पार्टी के लिए रेडी।

डेकोरेशन

निकिता चौहान

हर फेस्टिवल के हिसाब से घर को सजाना एक आर्ट होता है। जरूरी नहीं कि इसके लिए काफी पैसे खर्च किए जाएं, कुछ आइडियाज से आप अपने घर को क्रिसमस पार्टी के लिए डेकोरेट कर सकती हैं।

फेयरी लाइट्स लगाएं: घर में क्रिसमस का फील लाने के लिए सबसे पहले आप अच्छी लाइटिंग करें। क्रिसमस डेकोरेशन को ब्राइट टच देने के लिए आप फेयरी लाइटिंग करवा सकती हैं। इसे आप अपने घर के लिविंग रूम, ड्राइंग रूम और बेडरूम हर जगह लगा सकती हैं। फेयरी लाइट्स में आपको मार्केट में कई तरीके के स्टाइल्स और डिजाइंस मिल जाएंगे। लेकिन क्रिसमस के मौके के अनुसार आप स्टार्स वाली लाइटिंग लगवाएं तो ज्यादा सुटेबल रहेगा।

क्रिसमस ट्री: क्रिसमस ट्री के बिना क्रिसमस डेकोरेशन पूरा नहीं हो सकता है। इसलिए आप घर के किसी एक कोने में क्रिसमस ट्री को सजा सकती हैं। सबसे अच्छा तो यह होगा कि इसे आप पार्टी वाले हॉल या टेरेस में एक कोने पर रखें। इस क्रिसमस ट्री को डिजाइनर लाइट्स के अलावा ब्राइट बॉल्स, डॉल्स, स्टार्स, ब्राइट पेपर, स्ट्रिप्स जैसी डिफरेंट डेकोरेटिव चीजों से डेकोरेट कर सकती हैं। इससे यह और भी अट्रैक्टिव लगेगा। क्रिसमस ट्री, आपके क्रिसमस डेकोरेशन का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकता है।

सॉक्स को हैंग करें: क्रिसमस के मौके पर डेकोरेशन में सॉक्स को लटकाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रिसमस के दिन अगर सॉक्स के अंदर अपनी विश लिखकर लटका दी जाए तो सांता क्लॉज इन्हें देखकर आपकी विश जरूर पूरा करते हैं। ऐसे में आप अपने होम डेकोर में रेड कलर के सांता क्लॉज वाली सॉक्स लटका सकती हैं। आपको सांता क्लॉज वाले रेड कोजी सॉक्स आसानी से बाजार में मिल जाएंगे। आप इसे घर की सीढ़िया की दीवार पर या बालकनी के बैकग्राउंड स्पेस में कहीं भी लगा सकती हैं।

पिलो-कुशन कवर: क्रिसमस डे के लिए घर को डेकोरेट करते समय आप क्रिसमस इंस्पायार्ड पिलो कवर और कुशन कवर्स का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। क्रिसमस थीम वाले कवर चुनना सबसे सही रहेगा, जैसे कि लाल और सफेद रंग में बने बारहसिंगे की प्रिंटिंग वाले या देवदार के शंकु आदि के चित्र वाले कवर पिलो और कुशन पर लगा सकती हैं। इनसे आपके घर को कंप्लीट क्रिसमस लुक मिलेगा।

थीम बेस्ड कैंडल: क्रिसमस के मौके पर कैंडल डेकोरेशन का भी काफी ट्रेंड है। होम डेकोर के लिए आप क्रिसमस थीम बेस्ड कैंडल ले सकती हैं। ये आपको आसानी से ओपेन मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएंगी। आप इन्हें डाइनिंग टेबल, बेडरूम, लिविंग रूम और स्पेशली पार्टी हॉल में अरेंज कर सकती हैं।

इन कलर्स का ध्यान रखें: क्रिसमस डेकोरेशन करते समय कलर्स का चयन खूब सोचकर करना चाहिए। जब भी आप घर को सजाएं तो लाल, सफेद और हरे रंग के कलर का इस्तेमाल जरूर करें। इन कलर्स की डेकोरेशन की बड़ी चीजें ही नहीं छोटी चीजों में भी इन्हीं कलर का इस्तेमाल करने से आपका डेकोरेशन आसानी से क्रिसमस के लिए परफेक्ट हो जाएगा।

इस तरह आपका घर क्रिसमस पार्टी के लिए हो जाएगा पूरी तरह डेकोरेट।

बच्चे और आप

नम्रता नदीम

दादा-दादी को बच्चों का साथ सुहाता तो है ही, बच्चों को भी उनका साथ खूब भाता है। बच्चों को उनका एक भावनात्मक संबल मिलता है, दादा-दादी का भी उनके साथ बहुत अच्छा समय बीतता है। साथ ही बच्चों को अपने दादा-दादी से अच्छी शिक्षा मिलती है, वे संस्कारवान बनते हैं।

दादा-दादी और बच्चे खूब भाता है एक-दूसरे का साथ

पंद्रह साल का विशाल अपने दादा-दादी के साथ बहुत खुश रहता है। जब उसे हॉस्टल भेजा जाने लगा तो उसने अपने मम्मी-पापा से साफ कह दिया कि वह दादा-दादी के बिना हॉस्टल नहीं जाएगा, क्योंकि हॉस्टल में उसे दादा-दादी की बहुत ज्यादा याद आएगी। अंततः हारकर विशाल के मम्मी-पापा ने उसे घर में रहकर पढ़ाना तय किया ताकि वह अपने दादा-दादी के साथ रह सके। इसी तरह एक और उदाहरण, रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी रघुवीर कुमार का अपनी पोती से बहुत ही भावनात्मक रिश्ता है। वह कहते हैं, 'जब मैं एक-दो महीने उसके पास रहकर आता हूं, तो लौटने के बाद मुझे अपनी पोती की बहुत याद आती है। बार-बार यही मन होता है कि फिर से उसके पास चला जाऊं।' यही वजह है रघुवीर दो-तीन दिन में अपनी पोती से फोन पर जरूर बात करते हैं। अगर कभी वह फोन नहीं कर पाते तो उनकी पोती का ही फोन आ जाता है।

दादा-दादी से बच्चों का गहरा भावनात्मक रिश्ता: ऊपर दिए दोनों उदाहरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारा घर-परिवार दादा-दादी के बिना कभी भावनात्मक रूप से पूर्ण नहीं होता, क्योंकि उनकी कमी हमेशा खटकती है। लेकिन जॉब की मजबूरियों के चलते हाल के दशकों में संयुक्त परिवार बहुत तेजी से विघटित हुए हैं। दादी-दादा को अपने बेटों के परिवार से दूर रहना पड़ता है। इस अलगाव के बावजूद दादा-दादियों और पोते-पोतियों के बीच लगाव बना रहता है। यही वजह है कि अकसर बच्चे अपने दादा-दादी से मिलने की इच्छा रखते हैं। साठ वर्षीया रामकुमारी भावुक स्वर में कहती हैं, 'भले ही मेरे बेटे और पोता-पोती मुझसे दूर रहते हैं, लेकिन दूरी से मेरी ममता में कोई कमी नहीं आई है बल्कि यह बढ़ गई है। मुझे जब भी मौका मिलता है, मैं अपने पोते और पोती को देखने चली जाती हूं। वे दोनों मुझे पाकर बहुत खुश होते हैं। जिन दिनों मैं उनके साथ रहती हूं, उन दिनों वे अपनी मम्मी-पापा से कहीं ज्यादा मेरे साथ समय बिताते हैं। इससे मेरा पूरा दिन कैसे कट जाता है, पता ही नहीं चलता।' जिन घरों में बच्चे, दादा-दादी के साथ रहते हैं, वहां ज्यादातर दादा-दादी बच्चों पर पूरा ध्यान रखते हैं। दिनभर बच्चों के साथ रहना, उन्हें कहानियां सुनाना, उन्हें बाजार ले जाना जैसे तमाम काम वे बच्चों के साथ मिल-जुलकर करते हैं। दादी-दादा बच्चों के साथ एकदम बच्चे बन जाते हैं। वे उनके साथ घुल-मिलकर खेलते हैं। इससे दोनों के बीच में भावनात्मक लगाव बढ़ता है। कुछ दादा-दादी बच्चों के खेलने-कूदने के साथ ही उन्हें अच्छे उपहार भी देते हैं। इससे उन्हें खुशी मिलती है और बच्चे भी बहुत खुश होते हैं।

बुजुर्ग हैं बच्चों के भावनात्मक संबल: बारह साल की अनुष्का के दादा-दादी नहीं हैं। उसे अपने नाना-नानी से बेहद प्यार है। उसकी नानी कुछ दिन आकर जब उनके साथ रहती हैं, तो उसे उन दिनों बहुत अच्छा लगता है। क्योंकि नानी उस पर अपना पूरा प्यार बरसाती हैं। उसे कई उपहार भी देती हैं। अनुष्का को दादा-दादी के बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं है, लेकिन उसकी नानी से उसका गहरा लगाव है। आठ साल की मानसी की तो जान ही अपने दादा-दादी में बसती है। उसके दादा उसके साथ हर खेल खेलते हैं। वे उसे पढ़ाते हैं। आजकल वर्किंग कपल्स के पास इतना समय कहां होता है कि वे अपने बच्चों को ज्यादा समय दे सकें, उनके साथ भरपूर समय बिता सकें। ऐसे में बच्चों के लिए दादा-दादी उनके लिए एक बड़ा भावनात्मक संबल होते हैं।

मेकअप

सरिता गुप्ता

फॉलो करें ये मेकअप स्टेप्स मिलेगा ग्लैमरस पार्टी लुक

जब मौका हो क्रिसमस पार्टी में शामिल होने का तो आप जरूर चाहेंगी कि आपका मेकअप लुक भी ग्लैमरस नजर आए। यहां आपको पार्टी स्पेशल मेकअप स्टेप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप मिनटों में ग्लैमरस पार्टी लुक पा सकती हैं।

स्किन को तैयार करें: सबसे पहले हल्के फेसवॉश से चेहरा साफ करें, ताकि सारी धूल और ऑयल हट जाए। इसके बाद टोनर लगाकर स्किन को रीफ्रेश करें। अब मॉयश्चराइजर लगाएं, जिससे स्किन में नमी बनी रहे। अगर आपकी स्किन ड्राय है, तो हाइड्रेटिंग सीरम का उपयोग करें। वहीं ऑयली स्किन के लिए जैल-बेस्ड मॉयश्चराइजर सही माना जाता है। इसके बाद प्राइमर लगाएं, ताकि आपके मेकअप का बेस स्मूद बने और स्किन पोर्स कम दिखें।

फाउंडेशन-कंसीलर: बेस मेकअप बिल्कुल नेचुरल और फ्लॉलेस होना चाहिए। अपनी स्किन टोन से मैच करता हुआ फाउंडेशन लें और स्पंज या ब्रश से अच्छी तरह इसे ब्लेंड करें। कंसीलर का इस्तेमाल आंखों के नीचे के डार्क सर्कल, पिंपल स्पॉट और पिगमेंटेशन पर करें। इसे हल्के से टैप करें। जरूरत हो तो लोअर फेस पर थोड़ा कॉन्टूरिंग कर सकती हैं। इससे चेहरा डिफाइंड-शार्प दिखता है।

आई मेकअप: आई मेकअप को थोड़ा बोल्ड और फेस्टिव स्टाइल में करें। गोल्ड, कॉपर, रेड या ग्रीन शेड्स क्रिसमस थीम के लिए परफेक्ट रहते हैं। सबसे पहले न्यूट्रल ब्राउन शेड से क्रीज पर हल्का बेस बनाएं। अब पलक पर गोल्ड या शिमरी रेड आईशैडो लगाएं। बाहरी कोने (आउटर कॉर्नर) पर डार्क ब्राउन या ब्लैक से डीप स्मोकी इफेक्ट दें। ताकि आंखें बड़ी और खूबसूरत दिखें। ग्लिटर लाइनर भी यूज कर सकती हैं।

ब्लश-हाईलाइटर: ब्लश आपके चेहरे में ताजगी और रंगत जोड़ता है। क्रिसमस पार्टी के लिए पिंक या पीच टोन का ब्लश लगाएं। इसे चीक बोंस पर हल्के हाथ से अपवर्ड डायरेक्शन में अप्लाई करें। इसके बाद हाईलाइटर का इस्तेमाल करें। नाक की टिप, चीकबोन और क्यूपिड बो पर हल्का हाईलाइटर लगाने से चेहरा ग्लो करता है।

लिपस्टिक: क्रिसमस लुक में रेड लिपस्टिक क्लासिक ऑप्शन है। अगर आप बोल्ड लिप्स पसंद करती हैं, तो रेड, मैरून या बेरी टोन चुनें। यदि आपका आई मेकअप पहले से ही बोल्ड है, तो लिप्स पर सॉफ्ट पिंक या न्यूड शेड भी बहुत खूबसूरत लगेगा।

सेटिंग स्प्रे: सारा मेकअप करने के बाद सेटिंग स्प्रे लगा लें। यह आपके मेकअप को लंबे समय तक स्मज होने से बचाता है और आपको देता है फ्रेश, ग्लैमरस पार्टी लुक।

(मेकअप आर्टिस्ट आरती सिन्हा से बातचीत पर आधारित)

कई बच्चों को हो रही मायोपिया की समस्या

अनेक वजहों से आजकल कई बच्चे मायोपिया (कमजोर नजर) की समस्या से ग्रस्त होने लगे हैं। इसकी वजहों और लक्षणों के साथ इससे बचने के तरीके के बारे में भी यहां डिटेल में बता रहे हैं।

प्रिकॉशन

निकिता

चालीस-पचास की उम्र के बाद नजर कमजोर होना सामान्य है लेकिन चिंता की बात है कि आजकल अनेक बच्चे भी कमजोर नजर की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। बच्चों में होने वाली आंखों से जुड़ी समस्या मायोपिया में वह पास की वस्तुएं साफ देख पाता है, लेकिन दूर की चीजें धुंधली दिखाई देती हैं। समय पर ध्यान न देने से यह समस्या और बढ़ सकती है और आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई, खेल-कूद और उसके व्यक्तित्व को भी प्रभावित कर सकती है।

मायोपिया के कारण: बच्चों में मायोपिया होने के कई कारण हो सकते हैं।

लंबे समय तक स्क्रीन देखना: मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर का अत्यधिक उपयोग आंखों पर दबाव डालता है।

पढ़ाई या नजदीकी काम में ज्यादा समय: लगातार किताब पढ़ना या लिखना भी मायोपिया को बढ़ावा देता है।

प्राकृतिक रोशनी की कमी: बच्चों का पर्याप्त समय धूप में न बिताना आंखों की सेहत पर असर डालता है।

आनुवांशिक कारण: अगर माता-पिता की नजर कमजोर है तो बच्चों में मायोपिया होने की आशंका अधिक रहती है।

मायोपिया के लक्षण: अगर आपके बच्चे को मायोपिया है तो उसे आप इन लक्षणों से पहचान सकती हैं।

- दूर की वस्तुएं धुंधली दिखना।
- टीवी या क्लास में ब्लैक बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों को देखने में परेशानी होना।
- बार-बार आंखें मिचमिचाना।
- कुछ भी पढ़ते समय या लिखते समय सिरदर्द होना।
- किताब को बहुत पास से पढ़ना।

बचाव के उपाय: अपने बच्चे को मायोपिया से बचाने के लिए आप कुछ सुझावों पर अमल कर सकती हैं।

स्क्रीन टाइम नियंत्रित करें: छोटे बच्चों को टीवी देखने और मोबाइल चलाने का समय सीमित रखें।

बच्चों को बाहर खेलने दें: रोजाना कम से कम 1-2 घंटे प्राकृतिक रोशनी में बच्चे को समय बिताना जरूरी है।

सही दूरी से पढ़ाई: किताब और आंखों के बीच 30-40 सेमी. की दूरी बनाए रखें।

संतुलित आहार: हरी सब्जियां, फल, विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर डाइट आंखों की सेहत के लिए लाभकारी है।

नियमित नेत्र परीक्षण: समय-समय पर आंखों की जांच करवाना चाहिए, ताकि शुरुआती अवस्था में समस्या पकड़ में आ सके।

ना बरतें लापरवाही: आज के दौर में बच्चो में मायोपिया एक आम स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। लेकिन सही जीवनशैली और समय पर जांच से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। पैरेंट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों की आंखों की देखभाल में लापरवाही न बरतें और कोई भी लक्षण नजर आने पर तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लें।

(फोर्टिस हॉस्पिटल, शालीमार बाग, दिल्ली के सीनियर डायरेक्टर, यूनिट हेड-पीडियाट्रिक्स डॉ. विवेक जैन से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

कर्ण सिंह सर्वसम्मति से प्रधान चुने गए

तोशाम। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन मुख्यालय चरखी दादरी, संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी संघ तोशाम शाखा का त्रिवार्षिक चुनाव तोशाम जल घर पर संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से प्रधान कर्ण सिंह लाम्बा, सेक्रेटरी संदीप गौड़, खंजाची धर्मबीर जांगडा, चैयरमेन उमेद , वरिष्ठ उप प्रधान बिजेन्द्र को चुना गया। राज्य प्रधान ईशवर शर्मा ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

भिवानी। एससीईआरटी गुरुग्राम के निर्देशानुसार राजकीय कन्या वमा विद्यालय लोहड़ में भिवानी डाईट इंचार्ज मोनिका के निदेर्शन में टीजीटी सामाजिक विज्ञान के 34 सरकारी शिक्षकों तथा पीजीटी कंप्यूटर साइंस के 16 प्रवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर के रूप में मंजीत कुमार, मनीष कुमार, गौरव कुमार एवं संगीता देवी द्वारा विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रायोगिक एवं गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के विद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की विषयगत दक्षता, आईसीटी कौशल तथा कक्षा-कक्ष में प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाएं: डीसी

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में जिला अधिकारी बोर्ड की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विकास कार्यों के क्रियान्वयन, प्रमुख योजनाओं व सरल, सीएम विंडो, समाधान शिविर, जनसंवाद, रात्रि ठहराव कार्यक्रम, सीपी ग्राम, एसएमजीटी कार्यक्रमों को लेकर डीसी ने सभी जिलाधिकारियों से समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सरकार की योजनाओं का पात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

मीटिंग में ऑनलाइन पॉलिसी पर जताया रोष

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा सब-डिवीजन परिसर में यूनियन के आह्वान पर एक जोरदार व संघर्षपूर्ण गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। इस गेट मीटिंग में कर्मचारियों पर जबरन थोपी गई ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ कड़ा और तीखा विरोध दर्ज कराया गया। गेट मीटिंग की अध्यक्षता यूनियन प्रधान अमित चौहान ने की तथा मंच संचालन मुकेश प्रजापति द्वारा किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि यह ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी पूरी तरह से कर्मचारी-विरोधी, अव्यावहारिक एवं तानाशाही सोच का परिणाम है।

मेडिकल कॉलेज-अस्पताल को व्हील चेयर दी

भिवानी। लायंस क्लब ने समाजसेवा के कार्य निरन्तर चालू हैं। क्लब के सदस्य पूर्व प्रांतपाल लायन वीरेंद्र कुमार हंस ने अपने दिवंगत पूज्य पिता की स्मृति में डॉक्टर रमेश लांबा सर्जन भिवानी अस्पताल के अनुरोध पर एक व्हील चेयर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को प्रदान की। साथ ही आम जनता से अपील की कि जहां समाजसेवा का मौका मिले तो अपनी सामर्थ्य अनुरूप मदद की आहुति सक्षम लोगों देनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला पर्यावरण के लिए खतरा

भिवानी। बहुजन समाज पार्टी के नेता पवन ठाकुर ने अरावली पर्वत श्रृंखला को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई नई परिभाषा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पर्यावरण संरक्षण की मूल भावना के विपरीत है और इसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। पवन ठाकुर ने कहा कि अरावली पर्वत केवल पहाड़ियों का समूह नहीं, बल्कि उत्तर भारत का प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। यह पर्वत श्रृंखला भू-जल रिचार्ज, वायु प्रदूषण नियंत्रण, तापमान संतुलन बनाए रखने और मरुस्थलीकरण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सुधार नहीं किया तो प्रदेश स्तर पर विरोध होगा तेज

ट्रांसफर पॉलिसी में ब्लॉक बदलने की शर्त हटाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

लोहारू। ट्रांसफर नीति के विरोध में बीईओ विजय प्रभा को ज्ञापने देते हुए अध्यापक संघ के सदस्य।

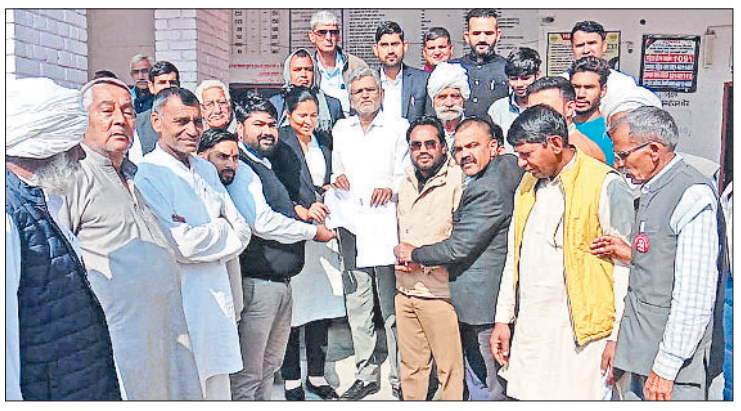

लोहारू। लोहारू में अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण के लिए एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन देते लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की खंड कार्यकारिणी द्वारा सोमवार को बीईओ विजय प्रभा को ज्ञापन सौंपकर अध्यापकों के ट्रांसफर पॉलिसी में से 15 वर्ष उपरांत ब्लॉक बदलने की शर्त हटाए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों शिक्षकों को इसका पुरजोर विरोध किया है।

अध्यापक संघ की खंड प्रधान रेखा कुलहरी ने कहा कि ब्लॉक बदलने का ये फैसला सरकार तबादला नीति से तुरंत हटाए। उन्होंने कहा कि ये अध्यापक विरोधी नीति है तथा इस अध्यापक संघ पुरजोर विरोध करता है। कार्यकारिणी कोषाध्यक्ष विनोद बॉक्सर ने कहा कि हम पहले भी जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी को भी यह नीति बदलने हेतु ज्ञापन दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते अध्यापकों की ट्रांसफर नीति में सुधार नही किया गया तो इसके खिलाफ अध्यापक प्रदेश स्तर पर इस विरोध करने को मजबूर होंगे।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व कार्यकारिणी प्रधान मनोज कुमारी, उप प्रधान राजवंती दांगी, कोषाध्यक्ष विनोद बॉक्सर डीपीई, भीम सिंह जेबीटी अध्यापक, कंचन मैडम, सुनीता कुमारी, भगवती, सरोज मैडम, अरविंद, सरिता, सुनीता, सरोज शर्मा, ममता, कृष्णा आदि मौजूद रहे।

अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री के नाम भेजा ज्ञापन

लोहारू। सदियों से पुरानी अरावती पर्वत श्रृंखला के संरक्षण के लिए सोमवार को लोहारू समस्या समाधान संगठन के तत्वावधान में अनेक लोगों ने एसडीएम के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में कहा कि लाखों वर्षों पुरानी पर्वतमाला के संरक्षण की काफी जरूरत है। ज्ञापन देने वाले प्रदीप सैनी, एडवोकेट अशोक आर्य, एडवोकेट कुलदीप मान, पवन पीजी, एडवोकेट कविता पातवान, जयसिंह, सुमेर सिंह, मंदरूप, महेंद्र, दुलीचंद, जयसिंह, आदि ने बताया कि अरावली पर्वत श्रेणी दो अरब से अधिक वर्षों पुरानी मानी जाती है। बताया जाता है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई के पर्वतों को पहाड़ में श्रेणी से दूर किया जा रहा है।

ऐसा किए जाने से राजस्थान के साथ हरियाणा, दिल्ली जैसो राज्यों में नकारात्मक भौगोलिक प्रभाव पड़ेगे। उन्होंने कहा कि यह माना जाता है कि अरावली पर्वत श्रेणी के कारण ही रेगिस्तान का विस्तार अधिक नही हो पाया था। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह अरावली की पर्वत श्रृंखला को संरक्षण प्रदान करे, इस क्षेत्र में खनन और अनियंत्रित निर्माण को रोका जाए और हरित अरावली परियोजना को मजबूती से लागू किया जाए। ताकि आने वाली पीढिय़ा को इसका लाभ मिल सके।

स्वयसेवकों ने प्रभात फेरी निकाली

एनएसएस शिविर को संबोधित करते वक्ता।

- राजकीय स्कूल कुसुम्भी में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुसुम्भी की एनएसएस यूनिट एक का पंचायत भवन कुसुम्भी में सात दिवसीय शिविर शुरु हुआ। शिविर के उद्घाटन के लिए खंड कैरू के खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह गिल ने बच्चों को एनएसएस अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि यह योजना अपने लिए नहीं अपितु तुम्हारे लिए या दूसरों के लिए सेवा करने की प्रेरणा देती है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि मैंने भी एनएसएस अधिकारी के रूप में बहुत वर्षों तक कार्य किया है और इसे बहुत कुछ बच्चों को भी सिखाया और मैंने भी अपने जीवन में बहुत कुछ सीखा है। बच्चों को उद्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों आप ही देश के भविष्य हो और आप पर ही पूरे देश की बागडोर थमी हुई है सरपंच रोशन लाल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इसी प्रकार सेवा की भावना अपने जीवन में रखें और समाज की सेवा करते रहे शिक्षा के साथ-साथ सेवा भाव भी अपने जीवन में बहुत जरूरी है। विद्यालय के एसएमसी प्रधान संदीप शर्मा ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ सेवा भाव भी बहुत जरूरी होती है। प्राचार्य सुंदर सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह गिल, सरपंच प्रतिनिधि रोशनलाल शर्मा और एसएमसी प्रधान संदीप का आभार जताया। एनएसएस अधिकारी संस्कृत प्रवक्ता डॉ. रामचंद्र शर्मा ने भी एनएसएस की उपयोगिता एवं सेवा भाव के बारे में अपने विचार प्रकट किये।

बच्चों ने प्रभात फेरी एनएसएस गीत एवं आसपास के वातावरण को शुद्ध रखने के लिए श्रमदान किया। शिविर को सफल बनाने में पुनीत कटारिया , बिजेंद्र ग्रेवाल, प्रदीप, समरजीत, दीपक प्रवक्ता समुदाय व उदय सहायक सेवक भी उपस्थित रहें।

सीवरेज के पानी की निकास को लेकर शिव कॉलोनी वासियों ने सौंपा ज्ञापन

- संबंधित अधिकारियों कई बार करवाया जा चुका अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम। कार्यकारी अभियंता कार्यालय में ज्ञापन सौंपते शिव कॉलोनीवासी।

वार्ड नंबर 7 शिव कॉलोनी के निवासियों ने सोमवार को सीवरेज के गंदे पानी की निकासी की समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग के तोशाम कार्यकारी अभियंता कार्यालय में पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और समस्या के तुरंत समाधान की मांग की। इस पर अधिकारी ने उनकी शिकायत उच्च अधिकारियों तक पहुंचाकर समस्या का जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया। शिव कॉलोनी निवासी कर्मवीर, प्रताप सिंह तंवर, वजीर, रमेश चंद्र, कालिया, कासिम चौहान, सत्यवान, आत्माराम व प्रदीप मास्टर आदि ने तोशाम के जनस्वास्थ्य विभाग कार्यकारी अभियंता कार्यालय में उपस्थित अधिकारी को शिकायत दी और बताया कि उनकी कालोनी में शिविर के गंदे पानी की निकासी सुचारू रूप से नहीं हो रही और समस्या को लेकर वह संबंधित अधिकारियों को काफी बार अवगत करवा चुके हैं।

एग्रीस्टेक से किसानों को आसानी से मिल सकेगा योजनाओं का लाभ

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने बताया कि सरकार किसानों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। प्रदेश में किसानों को एग्रीस्टेक योजना के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा रहा है। इस संबंध में उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एग्रीस्टैक से किसानों को जोड़ने को लेकर बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। अभियान की शुरुआत 18 दिसंबर को पंचकूला, अंबाला और फरीदाबाद जिला से की जा चुकी है। प्रदेश के अन्य जिलों में भी अभियान की शुरुआत जल्द होगी।

पर्यावरण संरक्षण: जेई पंकज ने 21 पौधें रोपित कर मनाई पिता की पुण्यतिथि

- प्रत्येक जन को जरूरतमंदों की मदद के लिए तैयार रहना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम उठाते हुए सिंचाई विभाग में बतौर जेई तैनात पंकज ने अपने पिता दलीप सिंह आर्य की 10वीं पुण्यतिथि पर दिनोद गेट स्थित मूलचंद झील के नजदीक 21 पौधों का रोपण किया। जेई पंकज ने रोपित पौधों के संरक्षण व देखभाल की जिम्मेदारी भी ली। जेई पंकज ने कहा कि उनके पिता स्वर्गीय दलीप सिंह आर्य उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में सहायक निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए थे तथा उनके अपनी नौकरी के कार्यकाल तथा सेवानिवृत्ति के उपरांत पर्यावरण संरक्षण सहित समाजसेवा के क्षेत्र में अनेक सराहनीय कार्य किए थे।

भिवानी। पिता की पुण्यतिथि पर पौधें रोपित करते जेई पंकज व अन्य।

उनका मानना था कि समाज में सभी व्यक्ति एक-दूसरे के पूरक होते है तथा प्रत्येक जन को जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसके अलावा वे पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष जोर देते थे। इसीलिए उनकी पुण्यतिथि पर पौधे रोपित किए, जिस प्रकार से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, उससे सुधारने के लिए सभी को मिलकर तेजी से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व चेयरमैन राजकुमार तंवर, संजय शास्त्री, मा. जयप्रकाश शर्मा, अशोक फौजी, रामप्रसाद सिंघल, चित्रा सिंह, राजेश मास्टर, सुरेश डिब्बेवाला, थानेदार जय सिंह, बबलू चौहान आदि मौजूद रहे।

10 साल से अधूरा एचएसवीपी दफ्तर

पूर्व जिला पार्षद ने प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

भिवानी। सरकारी सिस्टम की सुस्ती और अधिकारियों की कथित लापरवाही का एक बड़ा मामला भिवानी में सामने आया है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी), जिसे पहले हुडा के नाम से जाना जाता था, उसका एक एकड़ में बनने वाला कार्यालय पिछले 10 वर्षों से अधूरा पड़ा है। इस मुद्दे को लेकर पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने सोमवार को एक बार फिर समाधान शिविर में पहुंचकर अपनी 7वीं शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने पहली शिकायत 24 दिसंबर 2024 को सौंपी थी।

भिवानी। सरकारी तंत्र के सुस्ती का विरोध जताते हुए। फोटो : हरिभूमि

पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने सीधे तौर पर विभाग के अधिकारियों को निशाने पर लेते हुए कहा कि अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है।

सक्षम् स्कूल में इंटर हाउस गणित प्रदर्शनी

- गणित बच्चों में तर्क, धैर्य और आत्मविश्वास का निर्माण करता : डॉ. निशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

राष्ट्रीय गणित दिवस पर साहूवास रोड स्थित द सक्षम् स्कूल में विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि, तार्किक सोच एवं व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से इंटर हाउस गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता कर कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. निशा श्योराण ने कहा कि गणित बच्चों में तर्क, धैर्य और आत्मविश्वास का निर्माण करता है। जब बच्चों को सीखने का अवसर अनुभव और प्रस्तुति के माध्यम से मिलता है, तब उनमें विषय के प्रति भय नहीं, बल्कि रुचि विकसित होती है। उन्होंने इस प्रकार की गतिविधियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बताते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी श्री रामचंदर पूनिया, एसबीआई प्रबंधक संदीप यादव, सेवानिवृत्त उप जिला शिक्षा अधिकारी प्रवेश धनखड़, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी जलधीर कलकल, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विजय सांगवान, डॉ. सतीश साहू तथा नालंदा विद्या निकेतन से संदीप कुमार उपस्थित रहे।

गोरक्षा दल ने सदर थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

- संदिग्धों की सूचना देने वालों से अपराधियों जैसा व्यवहार कर रही पुलिस : संजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सदर थाना में पुलिस कर्मचारियों द्वारा गौरक्षा दल के शिकायतकर्ताओं के साथ कथित तौर पर दुव्र्यवहार और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में गौरक्षा दल भिवानी द्वारा सदर थाना एसएचओ को शिकायत सौंपी गई है। शिकायत में गौरक्षा दल गांव बापोड़ा निवासी अनुप व सुनील ने बताया कि 20 दिसंबर को गांव में दो समुदाय विशेष के संदिग्ध व्यक्ति बंदरों के साथ घूम रहे थे, जब गौरक्षा दल के सदस्यों ने उनसे पूछताछ की, तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीणों ने उनके द्वारा डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया और आगामी कार्रवाई के लिए सदर थाना पहुंचे। शिकायत में आरोप लगाया कि सदर थाना में तैनात हैड कांस्टेबल रामनिवास और एक अन्य कर्मचारी (जो सिविल ड्रेस में था) ने अभद्र व्यवहार किया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें डराया-धमकाया।

बेस्ट होममेड रेसिपी एवं सांझा रोटी प्रतियोगिता में अविष्का, हंसूजा, अंशु, अर्पित व शौर्य प्रथम

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कैडेट वंदित प्रथम

एनसीसी कैडेट्स ने अपने-अपने घरों से पारंपरिक, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन स्वयं तैयार कर प्रस्तुत किए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

बहल। बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में बेस्ट होममेड रेसिपी एवं सांझा रोटी कार्यक्रम का निरीक्षण करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल में 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी के कमांडेंट ऑफिसर कर्नल रितेश रंजन के निर्देशानुसार विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार झांझरिया के मार्गदर्शन तथा एनसीसी प्रभारी जोगेंद्र सिंह के कुशल नेतृत्व में "बेस्ट होममेड रेसिपी एवं सांझा रोटी कार्यक्रम"का अनुशासित एवं प्रेरणादायक आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य कैडेट्स में आत्मनिर्भरता, सामूहिकता, पारंपरिक खानपान के प्रति सम्मान तथा सामाजिक समरसता की भावना को विकसित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने अपने-अपने घरों से पारंपरिक, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन स्वयं तैयार कर प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कैडेट्स की रचनात्मकता, स्वच्छता, प्रस्तुति कौशल एवं पाक-कला सराहनीय रही। प्रत्येक कैडेट ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी रेसिपी का नाम, सामग्री, विधि, पौष्टिकता तथा विशेषताओं की जानकारी सांझा की, जिससे कार्यक्रम शैक्षणिक के साथ-साथ व्यवहारिक रूप से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। प्रतियोगिता का निष्पक्ष एवं सूक्ष्म मूल्यांकन निर्णायक मंडल सुश्री मुस्कान शर्मा, रेनू गाढ़ा, मोनिका श्योराण, बबीता, सुमन पायल, अनुज त्यागी एवं योगेंद्र वालिया ने किया। प्रतियोगिता के गर्ल्स वर्ग में अविष्का व हंसूजा चौधरी ने संयुक्त रूप से प्रथम, वंदिता, खुशी व रचना ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा खुशी व शिक्षा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बॉयज वर्ग में अंशु, अर्पित व शौर्य ने संयुक्त रूप से प्रथम, पीयूष, नमन व विवेक तिवारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा हिमांशु, कुनाल व प्रीतम ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। पोस्टर प्रतियोगिता में वंदित ने प्रथम, पीयूष व भूमिका ने संयुक्त रूप से द्वितीय रहे।

अंतर सदनीय प्रश्नोत्तरी में अल्फा टीम प्रथम

चरखी दादरी। श्रीराम पब्लिक स्कूल कान्हडा में राष्ट्रीय गणित दिवस पर अंतर सदनीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते हुए उप-प्राचार्या मंजू सांगवान में बताया कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को मैथ्स का जादूगर भी कहा जाता है। आज उनकी 138वीं जयंती है। हर साल उनकी जयंती पर नेशनल मैथमेटिक्स-डे होता है। विद्यालय में अंतर सदनीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। कक्षा नौवीं से 12वीं विंग में तीन टीमें गठित की गई जिसमें अल्फा टीम प्रथम, बीटा द्वितीय व गामा तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा छठी से आठवीं विंग में अरावली सदन ने प्रथम स्थान, हिमालय सदन दूसरे स्थान पर व शिवालिक सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से पांचवी विंग में शिवालिक सदन प्रथम स्थान पर, अरावली सदन द्वितीय व हिमालय सदन तृतीय स्थान पर रहे। पहली व दूसरी विंग से नीलगिरी सदन प्रथम, हिमालय सदन द्वितीय व शिवालिक सदन तृतीय स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

सीआरसी ने ली शिक्षकों की बैठक

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के वीर शहीद कपिल देव राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सीआरसी-कम-प्राचार्या संतोष भाकर द्वारा कलस्टर के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, हिन्दी, संस्कृत शिक्षकों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने बताया कि शिक्षकों को किस प्रकार से शिक्षा को रूचिकर बनाना है कि बच्चा स्वयं इसमें रूचि ले। वहीं उन्होंने 29 प्रकार के बिहेवियरों के बारे में भी गहनता से बताया। उन्होंने बताया कि जो बच्चे कक्षा से अनुपस्थित रहते हैं उनके परिजनों से भी संपर्क साधकर उन्हें नियमित कक्षा में आने के लिए प्रेरित करें।

जिला अधिकारी समाधान शिविर में रहे उपस्थित

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने निर्देश दिए कि जिले में सोमवार व वीरवार को आयोजित किए जाने वाले समाधान शिविर में जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं उपस्थित रहें। किसी अन्य कर्मचारी को ना भेजे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा समाधान शिविर की शुरूआत करके लोगों की शिकायतों के निपटारे के लिए एक अहम पहल की है, ऐसे में अगर जिला अधिकारी शिविर में उपस्थित नहीं होंगे समाधान में देरी हो सकती है।

फसलों में आई जान, कड़ाके की ठंड से आमजन परेशान

धुंध की मार, घटी दृश्यता वाहन चालक हुए लाचार

भिवानी। धुंध को चिरकर गंतव्य की ओर जाता एक वाहन व खेतों में छाई धुंध का दृश्य। **फोटो : हरिभूमि**

जिले में पारा चला जमाव बिंदू की तरफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

करीब तीन चार दिनों से मौसम में आ रहे बदलाव के बाद सोमवार को अचानक फिर से धुंध की चादर तन गई। देर रात से ही धुंध छाने की वजह से सड़कों पर विरानी सी छा गई। हालांकि वाहन एक दूसरे वाहन के पीछे लग कर गंतव्य तक पहुंचे,लेकिन उनको पहुंचने में दो से ढाई गुणा समय लग गया। जिससे उन पर आर्थिक बोझ भी बढा। दूसरी तरफ धुंध की चादर तनने के बाद रबी फसलों की जान मे जान आ गई। फसलों में धुंध की वजह से फुटाव बढने के आसार बन गए है। वहीं पारा जमाव बिंदू की तरफ जाने की वजह से लोग ठंड के मारे ठिठुरते नजर आए।

रविवार सुबह जब लोग सोकर उठे तो उस व्यक्त चहुंओर धुंध की चादर तनी हुई थी। धुंध की गहनता इतनी ज्यादा थी कि 5 मीटर से ज्यादा दूर तक दिखाई नहीं दे रहा था। रिहायशी इलाकों में तीन से पांच मीटर दूरी तक का ही दिखाई दे रहा था। धुंध का सबसे ज्यादा असर वाहनों पर पड़ा। वाहन एक दूसरे के पीछे लग कर गंतव्य तक पहुंचे। धुंध की वजह से वाहन चालकों गंत्तव्य तक पहुंचने में दो से तीन गुना समय लगा। दूसरी तरफ धुंध के बाद पारा भी एकदम नीचे खिसकना शुरू हो गया। पारा लूढक कर 9 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।

भिवानी। फसलों पर जमा पानी की बूंदे। **फोटो : हरिभूमि**

फसलों को लाभ

सोमवार रात से ही धुंध की चादर तनने के बाद किसानों के चेहरे खिल उठे। चूंकि इस वक्त रबी फसलों को सिंचाई की बेहद जरूरत थी। धुंध में पानी की अधिकता की वजह से फसलों की हलकी सिंचाई की पूर्ति हो गई। अब फसलों में फुटाव बढने के आसार बन गए है। खासकर गेहूं, सरसों की फसलों में फुटाव होने से उनकी औसतन पैदावार में बढौतरी होगी। जिस वजह से किसानों को फायदा होगा। वहीं सब्जी वाली फसलों में भी धुंध का फायदा होगा। फसलों की पैदावार में बढौतरी होगी। वहीं आज धुंध के चलते पारा भी गोता मारने लगा है। पारा दहाई का अंक छोडकर नौ डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। जिससे ठिठुरन बढ गई है। लोग सुबह से लेकर दोपहर अलाव के सहारे बैठे रहे। दोपहर बाद धूप खिली तो लोगों को राहत मिली। धूप खिलने के बाद ही पारे को हौंस आया और उपर तरफ बढना शुरू हुआ।

राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में खेल नगरी भिवानी रही ऑल ओवर चैंपियन

- ओपन चैलेंज फाइट में भी भिवानी के सीनियर खिलाड़ी बॉबी ने किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। **फोटो : हरिभूमि**

ऑल इंडिया कराटे ऑर्गेनाइजेशन एवं वेदांक ग्लोबल स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबला में प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अतिथियों द्वारा फाइनल राउंड में विजयी रहे खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया शीतो-यू कराटे ऑर्गेनाइजेशन एवं वेदांक ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 5 वीं हरियाणा राज्य स्तरीय ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 का शुभारंभ भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने किया था। समापन एवं सम्मान समारोह में भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित रहे। चंडीगढ़ में हरियाणा सरकार की विशेष बैठक होने के कारण वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, जिसके चलते उन्होंने आयोजकों एवं विजेता खिलाड़ियों को सफल टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं दी।

स्वदेशी एवं पर्यावरण संरक्षण प्रतियोगिता में तनीषा प्रथम

भिवानी। बाल भवन वाटिका स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित करवाए गए चार दिवसीय स्वदेशी मेले में इस बार पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी का अनूठा संगम देखने को मिला। मेले में भिवानी पर्यावरण शुद्धिकरण समिति की स्टॉल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही। मेले के दौरान स्वदेशी जागरण और पर्यावरण संरक्षण विषयों पर आधारित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। समिति के संयोजक केके वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 95 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसमें प्रथम स्थान पर तनीषा शर्मा, द्वितीय पर नैंसी व तृतीय सुमन रही।

बस स्टैंड पार्किंग में सूखा पेड़ गिरने से दो बाइक और दो स्कूटी क्षतिग्रस्त

भिवानी। बस स्टैंड परिसर स्थित आरएन ग्रुप वाहन पार्किंग में 22 दिसंबर सोमवार को अलसुबह पांच बजे सूखा पेड़ गिरने से दो मोटरसाइकिल व दो स्कूल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

वाहन पार्किंग के संचालक रवि ने बताया कि काफी दिन पहले रोडवेज प्रशासन को लिखित में सूचना देकर सूखे पेड़ से हादसा होने की आशंका जताई गई थी और समय रहते इसे कटवाने का आग्रह किया गया था, लेकिन रोडवेज प्रशासन ने इस पर तीव्रता से कार्य नहीं किया, जिसकारण 22 दिसंबर सोमवार को अलसुबह पांच बजे पेड़ वाहनों पर गिर गया। पेड़ के गिरने से दो मोटरसाइकिल व दो स्कूटियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, जिनमें हजारों रुपये का नुकसान हैं। गनीमत रही कि हादसे में जनहानि नहीं हुई, क्योंकि इस दौरान दिल्ली, मथुरा, गुड़गांव, फरीदाबाद, चंडीगढ़ सहित अनेक स्थानों पर जाने वाले यात्री अपने दोपहिया वाहन खड़ा करते बसों में रवाना होते हैं और उनपर ये पेड़ गिर जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

भिवानी। बस स्टैंड की वाहन पार्किंग में पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त बाइकें।

बीके विद्यालय में गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

बवानीखेडा। बवानी खेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में निवास रामानुजन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में माध्यमिक स्तर पर कक्षा छठी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में कुल चार राउंड रखे गए, जिसमें गणित के विशेषज्ञों से संबन्धित प्रश्न, गणित की सामान्य जानकारी से संबन्धित प्रश्न पूछे गए। माध्यमिक स्तर पर- नालंदा सदन प्रथम, शांतिनिकेतन सदन द्वितीय एवं इंद्रप्रस्थ व तक्षशिला सदन तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर गणित दिवस को ओर भी विशेष बनाने के लिए कक्षा छठी से आठवीं के विद्यार्थियों ने गणित से जुड़ी विभिन्न प्रकार कि घटनाओं को भाषण, कविता, नृत्य, समूह गान के माध्यम से जानकारी दी व उनके महान कार्यों से अवगत करवाया ।

बच्चों ने लघु नाटिका के माध्यम से बताया कि गणित का सभी विषयों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य के महान गणितज्ञों का निर्माण इन्हीं कक्षाओं में होता है। विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थी कुछ ना कुछ सीखते रहते हैं।उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को गणित के सूत्रों को हमेशा याद रखना चाहिए जो आगे जाकर आपकी प्रतियोगिता परीक्षाओं में काफी सहायक होते हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव योगेश शर्मा, वरिष्ठ विभाग संचालक योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक, अमित कुमार, सोनू कुमारी, सत्येंद्र आदि रहे।

सिद्धि धाम में आध्यात्म को लेकर चिंतन व मंथन कार्यक्रम आयोजित

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा सिद्धि धाम में आध्यात्म को लेकर शाखा प्रमुख राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन के सानिध्य में चिंतन व मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीके आरती, बीके सुशील, बीके कविता व बीके शारदा ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा ब्रह्मा बाबा द्वारा दिए गए आध्यात्मिक ज्ञान के बारे में उपस्थितजनों को अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि हमें संगम की बैंक में साइलेन्स की शक्ति जमा करनी होगी ताकि स्नेह के विमान में मधुबन पहुंच कर परमात्मा के प्यार के झुले में झुलकर शिवरात्रि माना बाप और बच्चों का संयुक्त जन्मदिन मनाने का यादगार। जिससे मन-बुद्धि की कंट्रोलिंग पॉवर बढ़े-व्यर्थ संकल्प न आए इसके लिए साइलेन्स की शक्ति का बैंक खुला है उसमें जमा करते जाओ व बाप के साथ रहने और चलने के लिए समान बनो। जिससे मैं और मेरा का अंतर का पता चले मैं कौन और मेरा कौन। हमें अपने कर्म और योग का बैलेंस इतना बनाओ कि चेहरे से बाप के गुण और चलन से श्रीमत दिखाई दे तथा पूरानी नेचर को कभी भी अपनी नेचर मत कहो क्योंकि यह अहंकार को दिखाता है।

कार्यक्रम में अपने अपने विचार रखते हुए।

अभिभावक सम्मान दिवस कार्यक्रम आयोजित

नन्हें विद्यार्थियों ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति देकर किया सम्मोहित

- विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी मां को समर्पित मनमोहक प्रस्तुतियां दी, अभिभावक हुए भाव-विभोर
- बच्चों का जीवन सफल बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करते है अभिभवक : प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए।

माता-पिता बच्चों के प्रथम गुरु तथा विद्यालय के सच्चे शुभचिंतक होते हैं। किसी भी बच्चे का जीवन सफल बात बनाने में जितना योगदान विद्यालय का होता है से कहीं उसके मां-बाप का होता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए स्थानीय दि आकवूड विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक दिनेश सिंह, कार्यकारिणी सदस्य विक्रम राणा व मानवेंद्र सिंह तथा प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ। सर्वप्रथम मां शारदा की स्तुति के रूप में एक शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें कक्षा नौवीं व दसवीं की बहनों ने नृत्य के माध्यम से मां शारदा की आराधना की। तत्पश्चात नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे मुन्नों ने अपनी-अपनी मां को समर्पित एक शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कक्षा प्रथम से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने अलग-अलग नृत्य समूहों में मनमोहक प्रस्तुतियां दी, जिन्हें देखकर उपस्थित अभिभावकगण हर्ष से भाव विभोर हो गए।

पैक्स कर्मचारी महासंघ ने एसवाईएल हिमाचल मार्ग समिति को दिया समर्थन

भिवानी। हरियाणा प्रदेश में लगातार जल संकट बना हुआ है, जिसके लिए समय-समय पर प्रदेश में एसवाईएल नहर के पानी की मांग उठ रही है, लेकिन पंजाब प्रदेश की जिद के कारण एसवाईएल नहर नहीं बन पा रही। एसवाईएल हिमाचल मार्ग समिति के प्रधान जितेन्द्रनाथ ने बताया कि समिति द्वारा तैयार प्रारूप पैक्स कर्मचारी महासंघ जिला भिवानी व दादरी के समझ रखा जिस पर महासंघ के सभी पदाधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी सहमति जताई और इसे अच्छा विकल्प माना। उपस्थितजनों ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के अंदर से नहर बनकर आती है तो पंजाब की जिद भी खत्म होगी और हरियाणा प्रदेश को उसके हिस्से का पानी भी मिलेगा जिससे यहां का किसान खुशहाल होगा। इस दौरान पैक्स कर्मचारी महासंघ जिला भिवानी व दादरी के सदस्यों ने अपना समर्थन दिया और कहा कि वे इस मुद्दे को लेकर आमजन को जागरूक करने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर वजीर सिंह, सुखबीर सिंह, आनंद, मनोज कुमार, सुरेन्द्र बेडवाल, मोहित, दिनेश, धर्मपाल, विजय सिंह, सुरेन्द्र, जयभगवान, विजय कुमार, चिमनलाल, राजाराम, विरेन्द्र कुमार, सुनील, प्रतीक्ष, राकेश, अमित कुमार, उमेद सिंह, श्रीराम, महेन्द्र, पवन, सोमवीर, नरेश, उदयपाल, नरेन्द्र सिंह आदि रहे।

बॉक्सर सचिन सिवाच, जुगनू बॉक्सर व कुसुम शर्मा को किया सम्मानित

भिवानी। गांव मित्ताथल की ब्राह्मणों की परस में भगवान परशुराम युवा मण्डल ने सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में ग्रेट नोएडा में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में स्वर्ण पदक विजेता सचिन सिवाच व रजत पदक विजेता जुगनू बॉक्सर तथा स्वीडन में हुई 7वें नॉर्डिक इंटरनेशनल वुशु चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता वुशु खिलाड़ी कुसुम शर्मा को सम्मानित किया तथा उनका हौंसला बढ़ाया। बॉक्सर सचिन सिवाच व जुगनू बॉक्सर ने अपनी सफलता का श्रेय कोच टेकराम तथा अपने परिजनों को दिया। वुशु खिलाड़ी कुसुम शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रजनी देवी, कोच राजीव व अपने परिजनों को दिया। सम्मान समारोह में उपस्थित अतिथिगणों व ग्रामीणों ने खिलाडियों का हौंसला बढ़ाया तथा आगे भी इसी प्रकार से खेल के मैदान में पदक जीत कर गांव, जिले, प्रदेश व देश का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। सम्मान समारोह में जाटू खाप 84 प्रधान कप्तान भीमसिंह, सरपंच प्रतिनिधि नरेश उर्फ नेशी, पूर्व सरपंच जय नारायण शर्मा, मा. सुभाष, राजेन्द्र सिवाच, राजेन्द्र शास्त्री, मा. तेजराम, फौजी रामनिवास शर्मा, कंडेक्टर प्रेम, पवन पहलवान, कोच टेकराम, करतार पहलवान, गौशाला प्रधान आनंद सिवाच, गौशाला कोषाध्यक्ष दिलबाग, पंच जगदीश, त्रिलोक मंढाणा आदि रहे।

शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से लेकर शीघ्र करें समाधान : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल।

उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विशेषकर बिजली, पानी, सीवरेज आदि समस्याओं के साथ-साथ प्रदेश सरकार द्वारा जरूरतमंद और गरीब लोगों के लिए क्रियान्वित दीन दयाल आवास योजना, दयालु योजना के सहित राशन कार्ड से संबंधित, पेंशन से संबंधित, आधार कार्ड से संबंधित, परिवार पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं का अति शीघ्र समाधान करें। उन्होंने सभी समस्याओं को गौर से सुना और अधिकारियों को प्राथमिकता से शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर से संबंधित लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान करें। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे मिलकर अपनी समस्या का निवारण करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है जहां समाधान शिविर की शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है।

उपायुक्त डा मुनीश नागपाल ने समाधान शिविर में सुनी नागरिकों की समस्याएं

बदलाव वेलफेयर सोसायटी के शिविर में 20 यूनिट रक्त किया एकत्रित

भिवानी। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था बदलाव वेलफेयर सोसायटी द्वारा स्थानीय पतराम गेट स्थित फूला देवी स्कूल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और परोपकार का संदेश दिया। इस दौरान 20 युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी पीआर बंसल और राजकुमार जालान ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसायटी के अध्यक्ष श्यामपाल ने की। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया और स्वयं उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने प्रत्येक रक्तदाता को स्मृति चिन्ह और बैज लगाकर सम्मानित किया। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्यतिथि पीआर बंसल व राजकुमार जालान ने कहा कि रक्तदान महादान है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे द्वारा दान किया गया रक्त किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति या थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। समाज में रक्तदान को लेकर जागरूकता फैलाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

सरकार ने 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ितों को दिव्यांग पेंशन देने का लिया निर्णय

चरखी दादरी। उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र नागरिकों को दिव्यांग पेंशन उपलब्ध करवाने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि इसके लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा वह हरियाणा का स्थायी निवासी एवं आवेदन करते समय तीन वर्ष से हरियाणा में रहता हो। आवेदक की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा दिव्यांग पेंशन के लिए 21 बीमारियों को शामिल किया है। इनमें चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग, कुष्ठ रोग, मस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, अंधापन, कम दृष्टि, श्रवण दोष, वाणी और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, मानसिक बीमारी, दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी बीमारी, मल्टीपल स्कलेरोसिस, पार्किंसंस रोग, सिकल सेल रोग, बहु विकलांगता, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, एसिड अटैक पीड़ित एवं बौना आदि विकार शामिल हैं। इन बीमारियों से संबंधित पात्र व्यक्तियों को दिव्यांग पेंशन का लाभ प्रदान किया जाता है।

आवेदक कर्ता हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य

शिविर शहर में खाद्य सामग्री की जांच व सैंपलिंग करवाए जाने के दिए निर्देश

एसडीएम ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं मूलभूत सुविधाओं के लिए नागरिकों को न लगाने पड़ें कार्यालयों के चक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। समाधान शिविर में समस्याएं सुनते एसडीएम महेश कुमार।

लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम महेश कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अत्यधिक ठंड के चलते लोगों की बिजली से संबंधित समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान करें। नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।एसडीएम के समक्ष जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य सुनील वर्मा नंबरदार ने अपनी शिकायत में बताया कि खाद्य सामग्री में विक्रेताओं द्वारा मिलावट की जा रही है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, इसलिए शहर में खाद्य सामग्री की जांच व सैंपलिंग करवाई जाए। इस पर एसडीएम ने डीएफएसी अधिकारी को जांच के निर्देश दिए। एसडीएम के समक्ष ईश्वर सिंह मान ने हांसी गेट से घंटाघर व दिनोद गेट तक ग्रिल लगवाने, चौधरी सुरेन्द्र सिंह पार्क में भवन के शीशे दुरूस्त करवाने व लघु सचिवालय के चारों तरफ सफाई करवाने, गोविंद ने सौर ऊर्जा पंप से संबंधित, श्रीराम ने कोऑपरेटिव सोसायटी में कार्यरत कर्मचारी की वेतन दिलवाने संबंधित समस्या रखी।

एसडीएम के सामने आई शिकायतें

एसडीएम के समक्ष पार्षद सुभाष तंवर ने चारामंडी में सफाई व सीवरेज ऑवरफ्लो ठीक करवाने, संदीप यादव ने एचएसवीपी क्षेत्र में सफाई, पार्किंग, रोड़ डिवाईडर ठीक करवाने बारे, कमला नगर से दीपक ने इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के 16 प्लाटों की रजिस्ट्री करवाने बारे, नीलम ने बीपीएल कार्ड बनवाने बारे, सुरेश कुमार मनरेगा में फर्जी हाजिरी की जांच करवाने बारे, जगमाल ने गाड़ी के टैक्स की पैनेल्टी कटवाने बारे, बालकिशन ने जोहड़ की पैमाईश व सफाई करवाने बारे, सुनील ने मजदूरी कॉपी बनवाने बारे व महम रोड़ निवासी ने ट्यूबवैल से आमजन की असुविधा होने बारे, रामकिशन परमार सेक्टर-13 में लगभग छह महीने पहले बनी सडक में घटिया सामग्री प्रयोग की जांच व पानी निकासी लेवल ठीक करवाने, रितू देवी ने फैमिली आइडी में सास व ससुर को जोड़ने के बारे और विधवा पेंशन दिलवाने, लक्ष्मी ने विधवा पेंशन दिलवाने बारे, गांव धीराणा से निर्मला, धर्मेन्द्र, अंजू, मनफूल, रघुवीर, दर्शन व ललित ने पीपीपी में आय कम करवाने की शिकायत रखी। एसडीएम ने सभी शिकायतों को गौर से सुना। उन्होंने शिकायत से संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे इन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करें।